सत्यमेव जयते

प्रारंभिक शिक्षा विभाग – राजस्थान सरकार

सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना के अन्तर्गत

अध्यापक योजना डायरी

कक्षा–2 : गणित

सत्र :.....

विद्यालय का नाम : .....

शिक्षक/शिक्षिका का नाम : .....

शिक्षा का अधिकार

सर्व शिक्षा अभियान
सब पढ़ें सब बढ़ें

अध्यापक योजना डायरी के बारे में

- दैनिक शिक्षण योजना, अवलोकन एवं सतत आकलन हेतु शिक्षक स्वयं की एक साधारण डायरी संधारित करें।
- प्रत्येक शिक्षक को विद्यालय समय–सारणी में निर्धारित विषय के अनुसार योजना डायरी संधारित करनी होगी। इस योजना डायरी में विद्यार्थी के नाम, पाठ्यक्रम, टर्मवार अधिगम उद्देश्य एवं सम्बन्धित पाठ, कक्षा के बच्चों के उपसमूहों का विवरण, योजना समीक्षा एवं रचनात्मक आकलन चैकलिस्ट सम्मिलित है। इनका क्रमवार विस्तारित विवरण आगामी बिन्दुओं में दिया गया है।
- सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थी के नाम एवं रोल नं. डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे जाएंगे। विद्यार्थी उपस्थिति रजिस्टर में लिखे गए क्रमानुसार यहां नाम लिखना है।
- **अधिगम स्तर के अनुसार उप समूहों की स्थिति एवं लक्ष्य** – हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित पढ़ाने वाले शिक्षकों को आधार रेखा आकलन या अन्तिम योगात्मक आकलन से प्राप्त सम्बन्धित कक्षा के विद्यार्थियों की शैक्षिक स्थिति एवं उसके अनुरूप लक्ष्य निर्धारित करके, दिए गए प्रपत्र में दर्ज़ करना है।
- **शिक्षण–आकलन योजना** – इस प्रारूप में क्रमशः पाठ/इकाई, अवधारणा/थीम, कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य, शिक्षण कार्य (सामूहिक, उपसमूह एवं व्यक्तिगत कार्य) एवं सतत आकलन गतिविधियों से संबंधित बिन्दुओं को शामिल किया गया है। इनके तहत पाठ्यक्रम के अनुरूप योजना का निर्माण किया जाना अपेक्षित है। यहाँ सम्पूर्ण कक्षा के लिए **"अधिगम उद्देश्य से तात्पर्य"** पाठ या अवधारणा से संबंधित सभी विद्यार्थियों के लिए अधिगम उद्देश्यों को व्यापक रूप में लिखने से है।
- **"उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य"** से तात्पर्य संबंधित कक्षा में आरम्भिक लेखन, पठन एवं गणित से संबंधित बुनियादी दक्षताओं पर अध्ययनरत विद्यार्थियों के लिए योजना के तहत विशेष अधिगम उद्देश्य निर्धारित किए जाने से है।
- **मासिक समेकित रचनात्मक आकलन** – इसके अंतर्गत बच्चों के सीखने की स्थिति को प्रत्येक माह के अन्त में कक्षा–कक्षीय शिक्षण के दौरान संग्रहित विभिन्न स्रोतों से प्राप्त सूचनाओं को समेकित करते हुए आकलन सूचकों के सापेक्ष दर्ज़ करना है।
- चैकलिस्ट में दर्शाए गए प्रथम कॉलम में माह I, II एवं द्वितीय कॉलम में **'कार्य किया'** लिखा गया है। इसका तात्पर्य है कि जिस माह में जिन–जिन अधिगम क्षेत्रों के लिए आकलन–सूचकों के सापेक्ष कार्य किया जाएगा उनके सामने सही (✓) का चिह्न दर्शाया जाएगा। यदि दोनों माहों में कार्य किया गया है तो दोनों में ही (✓) का चिह्न लगाया जाएगा।
- प्रथम टर्म के अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष निर्धारित आकलन सूचक आगे की टर्म की चैकलिस्ट में भी सम्मिलित किए गए हैं ताकि पूर्व की टर्म में बच्चे किन्हीं अधिगम उद्देश्यों पर अपेक्षित स्तर प्राप्त नहीं कर पाते हैं तो उनका आकलन आगे की टर्म में भी किया जा सकेगा।
- मासिक रचनात्मक समेकित आकलन के लिए दी गई चैकलिस्ट में अधिकतम 50 बच्चों का आकलन दर्ज़ किया जा सकता है। चैकलिस्ट की सबसे ऊपर की पंक्ति में बच्चों का क्रमांक लिखा गया है जो कि डायरी के तृतीय पृष्ठ पर लिखे गए बच्चों के नाम के क्रम में होगा।
- बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट में बच्चों का नाम– क्रमांक तृतीय पृष्ठ पर दिए नामों के क्रमांक के अनुसार लिखा जाएगा। (उदाहरण के तौर पर यदि क्रमांक 8, 10 व 15 के बच्चे निर्धारित कक्षा से पीछे हैं तो उन्हीं बच्चों का वही क्रमांक दर्ज़ किया जाएगा।)
- चैकलिस्ट में आकलन A, B एवं C ग्रेड द्वारा दर्ज़ किया जाएगा जिसका विवरण निम्नानुसार है – A= स्वतंत्र रुप से कार्य कर पाना या अपेक्षित स्तर की समझ/दक्षता होना; B= शिक्षक की सहायता से कार्य कर पाना या मध्यम स्तर की समझ/दक्षता होना तथा C= शिक्षक की विशेष सहायता से कार्य कर पाना या आरम्भिक स्तर की समझ/दक्षता होना है।
- इसमें आरंभिक लेखन–पठन एवं गणित की बुनियादी दक्षताओं से सम्बन्धित चैकलिस्ट को भी सम्मिलित किया गया है। जिसमें ऐसे विद्यार्थी जो नामांकित कक्षा–स्तर पर नहीं हैं उनका मासिक समेकित रचनात्मक आकलन दर्ज़ किया जाएगा। इसके लिए भी ऊपर वर्णित ग्रेड के अनुसार आकलन दर्ज़ करना होगा।

'सतत एवं व्यापक मूल्यांकन योजना' के विकास एवं कार्यान्वयन में सहभागी संस्थाएँ

राजस्थान प्रारम्भिक शिक्षा परिषद्

एस.आई.ई.आर.टी., उदयपुर

यूनिसेफ, जयपुर

बोध शिक्षा समिति

विद्यार्थियों के नाम व रोल नम्बर

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
1		
2		
3		
4		
5		
6		
7		
8		
9		
10		
11		
12		
13		
14		
15		
16		
17		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
18		
19		
20		
21		
22		
23		
24		
25		
26		
27		
28		
29		
30		
31		
32		
33		
34		

रो.नं.	छात्र/छात्रा का नाम	लिंग
35		
36		
37		
38		
39		
40		
41		
42		
43		
44		
45		
46		
47		
48		
49		
50		

पाठ्यक्रम कक्षा : 2 (राजस्थान राज्य शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण संस्थान, उदयपुर द्वारा निर्धारित)

1. आकृति एवं स्थान की समझ :

ड्रम, संदूक और गेंद जैसी आकृति वाली चीज़ों से परिचय : ड्रम, संदूक और गेंद जैसी आकृति वाली चीज़ों को आसपास/चित्रों से पहचानना। इनमें से कौनसी आकृति वाली चीज़ें खिसकाई जा सकती हैं और कौनसी लुढ़काई जा सकती हैं।

त्रिआयामी वस्तुओं को कागज़ पर रखकर उसकी बनावट को छापकर उनके गुणों पर ध्यान देना। इस प्रकार द्विआयामी आकृतियाँ मिल सकेंगी।

वृत्त, चौकोर, तिकोना आकृति वाली चीज़ों से परिचय : वृत्त, चौकोर, तिकोना आकृति वाली चीज़ों को आस–पास /चित्रों में पहचानना। वृत्त, चौकोर, आकृतियों से और चित्र बनाना। ऊपर लिखी आकृतियों में किनारे पहचानना और गिनना।

सीधी व टेड़ी–मेढ़ी रेखाएँ : सीधी व टेड़ी–मेढ़ी रेखाएँ बनाना।

वर्गीकरण करना : वस्तुओं के आकार, आकृति तथा रंग आदि को देखकर समझ में आने वाले अन्य गुणधर्मों के आधार पर बच्चों से वर्गीकरण कराना।

स्थानिक समझ : अपने आसपास की भौतिक दुनिया की विशेषताओं को समझने व यथार्थ तरीके में उनको अभिव्यक्त कर पाना।

2. संख्याएँ :

संख्या 1 से 100 तक के साथ गिनना, बोलना तथा लिखना :

वस्तुओं को गिनकर संख्या बोलना – मोती माला के मोती गिनकर दूसरी ठोस वस्तुएँ या चित्र द्वारा चीज़ों को गिनकर संख्याएँ बोलकर बताना, लिखकर बताना।

संख्या सुनकर उतनी ही वस्तु गिनकर दिखाना – शिक्षक या सहपाठी द्वारा बोली गई संख्या सुनकर गिनमाला पर उतने ही मोती खिसका कर अलग करना या चित्र में उतने ही खाने रंगना इत्यादि।

संख्या कार्ड टॉग कर संख्या दर्शाना – संख्या सुनकर उतने ही मोती अलग करके दिखाना तथा सही जगह पर संख्या कार्ड टाँगना।

दस, बीस, तीस, चालीस बोलकर गिनना – विभिन्न तरीकों द्वारा, जैसे– संख्या चार्ट में खानों के जमावट या गिनमाला के मोती के रंगों को देखकर दस, बीस, तीस, करते हुए गिनना।

संख्या 1 से लेकर 100 तक लिखना – सभी बच्चों को एक से लेकर 100 तक लिखना सिखाया जाए।

मुद्रा के प्रयोग द्वारा संख्या सुनकर उतने ही रुपये बनाना – नकली नोट तथा सिक्कों के प्रयोग से बताई गई राशि तैयार करना।

कितने दस बनेंगे – किसी भी संख्या में अधिकतम कितने दस निकाले जा सकते हैं की समझ का विकास करना।

दो अंक की संख्या के साथ दो अंक की संख्या का जोड़–घटा – 40 से 17 घटाने के लिए पहले 10 घटाकर 30 प्राप्त कर सकते हैं फिर इसमें से 7 और कम करके 23 प्राप्त कर सकते हैं या यह भी किया जा सकता है कि पहले 40 में से 20 घटाया जाए फिर 3 वापिस भेजकर 23 तैयार किया जाए। जोड़ के सवाल में ध्यान रखा जाए कि योगफल 100 से अधिक न हो।

बच्चों को जोड़ व घटा के मौखिक व लिखित सवाल पूछना।

बच्चों को जोड़ व घटा के सवाल बनाने के मौके देना।

जोड़ व घटा के परिणामों का, संदर्भ से अंदाज़ा लगाना।

गुणा की तैयारी : गुणा की तैयारी सम्बन्धी रचनात्मक अभ्यास कराना। अभी चिह्न प्रयोग नहीं करना है।

बराबर बाँटना : बराबर बँटवारा तथा डिब्बा में रखने की तैयारी सम्बन्धी रचनात्मक अभ्यास कराना। अभी भाग का चिह्न प्रयोग नहीं करना है।

मनगणित : इतनी दक्षताओं पर आधारित मनगणित के सवाल तथा हल प्राप्त करके मौखिक रूप से जवाब देना। आधारित बहुत से सवाल देने होंगे।

गणित की पहेलियाँ : कुछ पहेलियाँ भी सामने रखनी होंगी।

3. मापन इकाइयाँ :

मुद्रा : हिसाब–किताब के सवाल – 100 रुपये के भीतर। सौ तक के खुल्ले करना।

मापन : तुलना करना – दो से अधिक वस्तुओं की लम्बाई के आधार पर तुलना करना और क्रम से रखना।

अमानक इकाइयों के प्रयोग से लम्बाई का मापन : लम्बाई का अनुमान लगाना और अमानक इकाइयों, जैसे–बालिश्त, हाथ, कदम आदि द्वारा मापन कराना।

भार : हल्का तथा भारी ज्ञात करना – हाथों में वस्तु उठाकर अंदाजा लगाकर बताना।

तीन चीज़ों को भार के आधार पर क्रम में जमाना।

भार एवं आयतन के सम्बन्ध को समझना।

धारिता : किस बर्तन की धारिता ज़्यादा और किस की कम – तीन अलग–अलग आकार के बर्तनों को रखकर अंदाज़े से पता करो कि किसमें सबसे ज़्यादा पानी आ सकेगा और किसमें सबसे कम। इसे स्वयं करके जाँचा भी जाए।

दैनिक जीवन में धारिता के संदर्भ : परिवेश में आटा, शक्कर, तेल, गेहूँ आदि को भी धारिता के रूप में लेन–देन करने का चलन है। इस संदर्भ का प्रयोग करें।

समय : सप्ताह – सप्ताह के दिनों के नाम बताना।

4. आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न :

आँकड़ों का प्रबंधन : आँकड़ों को व्यवस्थित करने की ज़रूरत के लिए कई संदर्भ प्रस्तुत करना।

शून्य की समझ – कुछ वस्तुएँ थीं जो अब नहीं हैं जैसे एक थाली में तीन रोटियाँ थीं। इन्हें खा लेने के बाद अब थाली में रोटी नहीं बची। इस तरह के अभ्यासों से शून्य की अवधारणा को समझना। **जोड़ना तथा घटाना : दो अंक की संख्या से एक अंक की संख्या को जोड़ना तथा घटाना –** संख्या लिखने के साथ ही उतने ही मोती खिसकाकर एक जगह लाना फिर गिनकर बताना कि कुल कितने मोती हुए ?	**बच्चों को आँकड़े इकट्ठे व व्यवस्थित करने के मौके देना।** **सूचनाएँ निकाल पाना :** व्यवस्थित जानकारियों में से कुछ विशेष प्रकार की सूचनाएँ निकाल पाना। **पैटर्न : आसपास के परिवेश में पैटर्न खोजना :** **रंग और आकृति/बनावट के आधार पर पैटर्न पहचानना।** **रंग और आकृति/बनावट के आधार पर पैटर्न आगे बढ़ाना।** **संख्याओं में पैटर्न को आगे बढ़ाना :** 50 तक की संख्या के भीतर 5 और 10 के गुणज खोजकर।

प्रथम टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• लम्बे व छोटे का अनुमान लगा सकें तथा दी गई आकृति से बड़ी, लम्बी व छोटी आकृति समझकर बना सकें। • त्रिआयामी आकार वाली चीज़ों में से ड्रम, सन्दूक तथा गेंद जैसी आकृतियों को पहचानने एवं खिसकने – लुढ़कने के आधार पर वर्गीकृत कर सकें। • त्रिआयामी चीज़ों से ट्रेस करके द्विआयामी आकृतियाँ बना सकें। • वृत्त, चौकोर, तिकोनी चीज़ों को अपने आस–पास एवं चित्रों में पहचान सकें। वृत्त, चौकोर, तिकोनी चीज़ों से चित्र बना सकें एवं इन आकृतियों के किनारे पहचान तथा गिन सकें। • सीधी व घुमावदार रेखाएं बना सकें। • स्थानिक सम्बन्धों से जुड़ी शब्दावली के विकास हेतु चर्चा कर सकें, जैसे चित्र में कौन कहाँ है।	1, 5, 6 व 7	1–6, 15–26
2	**संख्या ज्ञान**	• 01 से 20 तक गिनने, पहचानने, लिखने तथा मात्राबोध की समझ बना सकें। • 10 की समझ एवं 5–5 व 10–10 के समूह बनाकर गिन सकें। जैसे 5, 10, 15, 20..... एवं 10, 20, 30, 40 आदि बोलते हुए गिन पाना। • परिवेशीय संदर्भों में शून्य की स्थिति को समझ सकें।	2, 3, 4 व 9	7–14, 33–35
3	**संक्रियाएँ**	• इकाई में इकाई एवं दहाई में दहाई का जोड़ना एवं घटाना ठोस, चित्र व प्रतीकों से समझकर कर सकें। (योगफल इकाई व दहाई दोनों में हो) • किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर सकें।	7 व 8	27–32

अधिगम स्तर एवं आवश्यकताओं के अनुसार कक्षा में विद्यार्थियों के उपसमूहों की स्थिति एवं लक्ष्य

उपसमूह – एक (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता स्तर के समकक्ष)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

उपसमूह – दो (कक्षा के लिए निर्धारित पाठ्यक्रम के अध्ययन हेतु आवश्यक योग्यता/दक्षता का अपेक्षित स्तर नहीं)

टर्म के आरम्भ में स्तर : .....

.....

.....

टर्म के अंत तक के लिए निर्धारित लक्ष्य : .....

.....

.....

उपसमूह में सम्मिलित विद्यार्थियों का नाम :

....

....

....

....

....

नोट : हिन्दी, अंग्रेजी एवं गणित विषय में उपसमूह एक अथवा दो में पदस्थापन सत्रारंभ में किए गए आधार रेखा आकलन अथवा पूर्व कक्षा के योगात्मक आकलन के आधार पर किया जाएगा। जबकि पर्यावरण अध्ययन एवं कला शिक्षण में दैनन्दिक शिक्षण प्रक्रिया के अनुसार बदलते हुए उपसमूह बनाए जा सकते हैं।

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य : .....

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं समूह में गिनकर 1 से 20 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं समूह में गिनकर 1 से 20 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																								
		II																								
1 से 10 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																								
		II																								
1 से 10 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।		I																								
		II																								
** इकाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।		I																								
		II																								
10 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।		I																								
		II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।		I																								
		II																								

योजना क्रमांक :	I. सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण–आकलन योजना	दिनांक ..... से ..... तक

पाठ / इकाई : ..... अवधारणा / थीम : .....

सम्पूर्ण कक्षा समूह के लिए अधिगम उद्देश्य : .....

सम्पूर्ण कक्षा के लिए शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

उपसमूह–एक के लिए क्षमता संवर्धन हेतु योजना	

II. उपसमूह–2 के लिए आवश्यकतानुसार अतिरिक्त शिक्षण–आकलन योजना

उपसमूह–2 के लिए विशेष अधिगम उद्देश्य :

शिक्षण योजना (1. सामूहिक कार्य 2. समूह कार्य 3. व्यक्तिगत कार्य की योजना)	सतत आकलन योजना

बच्चों के सीखने की प्रक्रिया एवं उपलब्धि के सन्दर्भ में शिक्षण योजना की समीक्षा

प्रथम सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक	द्वितीय सप्ताह : समयान्तराल ..... से ..... तक
1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–	1. कार्य के दौरान बच्चों की सहभागिता की स्थिति के बारे में :–
2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–	2. बच्चों को आ रही कठिनाई के बारे में :–
3. अनुभव एवं स्वआकलन :–	3. अनुभव एवं स्वआकलन :–
4. योजना में किए गए बदलाव के बारे में :–	4. बच्चों के अधिगम उपलब्धि के बारे में :–

द्वितीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• 21 से 50 तक संख्या गिनने, पहचानने एवं लिखने तथा मात्राबोध की समझ बना सकें।	14, 15 व 16	52–55
2	**मापन इकाइयाँ**	• अमानक इकाइयों के आधार पर लम्बे–छोटे एवं दूर–पास का अनुमान समझ के साथ लगा सकें। • हल्का व भारी का अनुमान समझ के साथ लगा सकें एवं परिवेशीय चीज़ों को उठाकर अनुमान की जांच तथा तुलना कर उनका क्रम बता सकें। • पात्रों की धारिता का अनुमान लगा सकें एवं अमानक इकाई से मापकर तुलना करते हुए कम–ज्यादा के आधार पर क्रम बता सकें।	10, 11 व 12	36–49
3	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• आँकड़ों को संकलित कर सकें एवं समझ के साथ उनका विश्लेषण कर सकें।	13	50–51

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 50 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ (दोहरान)																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 50 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ (दोहरान)																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																								
		II																								
1 से 20 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																								
		II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।		I																								
		II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।		I																								
		II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।		I																								
		II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।		I																								
		II																								

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

द्वितीय टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

तृतीय टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**आकृति एवं स्थान**	• त्रिआयामी आकार वाली चीज़ों में से ड्रम, सन्दूक तथा गेंद जैसी आकृतियों को पहचान सकें एवं खिसकने व लुढ़कने के आधार पर वर्गीकृत कर सकें। • त्रिआयामी चीज़ों से ट्रेस करके द्विआयामी आकृतियाँ बना सकें। • वृत्त, चौकोर, तिकोनी चीज़ों को अपने आस–पास एवं चित्रों में पहचान सकें। वृत्त, चौकोर, तिकोनी चीज़ों से चित्र बना सकें एवं इन आकृतियों के किनारे पहचान तथा गिन सकें। • सीधी व घुमावदार रेखाएं बना सकें।	5	15–21
2	**संख्या ज्ञान**	• 1 से 50 तक संख्याओं को पहचानने, पढ़ने व लिखने की समझ बना सकें। (दोहरान कार्य) • 51 से 100 तक संख्याओं को पहचानने, पढ़ने व लिखने एवं शून्य की समझ बना सकें।	19 व 20	66–72
3	**संक्रियाएँ**	• दहाई में दहाई का बिना हासिल वाला जोड़ एवं बिना उधार का घटाना, ठोस, चित्रों व प्रतीकों में समझ के साथ कर सकें एवं दैनिक जीवन पर आधारित समस्याओं को हल करने की समझ बना सकें।	17 व 18	61–65
4	**मापन इकाइयाँ**	• सप्ताह के दिनों के नाम एवं क्रम की समझ बना सकें।	21	73–74
5	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• परिवेशीय चीज़ों एव चित्रों के बने पैटर्न में पैटर्न खोज सकें एवं उन्हें आगे बढ़ा सकें। • परिवेशीय घटनाओं जैसे पोषाहार एवं दिनचर्या के कार्यों का संकलन कर सकें।	17 व 21	56–60, 73–74

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक पहले व ठीक बाद के दिन का नाम बता पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना व उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
चीज़ों की संख्या का अनुमान 20 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक पहले व ठीक बाद के दिन का नाम बता पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर → *संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक	माह																								
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																								
		II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																								
		II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।		I																								
		II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।		I																								
		II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।		I																								
		II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।		I																								
		II																								

चतुर्थ टर्म

क्रम संख्या	अधिगम क्षेत्र	पाठ्यक्रम आधारित अधिगम उद्देश्य	राज्य पाठ्यपुस्तक में पाठ संदर्भ	
			पाठ	पृष्ठ संख्या
1	**संख्या ज्ञान**	• बण्डल व खुल्ले की समझ बना सकें। • संख्याओं का अनुमान लगा सकें एवं संख्या रेखा पर निरुपित कर सकें। • संख्या सुनकर उतने ही रुपये बनाकर दिखा सकें।	22, 24 व 25	75–78, 89–90, 93–94
2	**संक्रियाएँ**	• इकाई में इकाई का जोड़ना–घटाना समझ के साथ कर सकें। (दोहरान) • दहाई में दहाई का जोड़ना–घटाना समझ के साथ ठोस व प्रतीकों में कर सकें। • जोड़–घटाव के दैनिक जीवन के प्रश्न सुनकर मौखिक हल समझकर कर सकें। • जोड़–घटाव के परिणामों का अनुमान समझकर लगा सकें। • संख्या रेखा पर जोड़ना–घटाना समझ के साथ कर सकें। • एक ही संख्या को बार–बार जोड़ने एवं घटाने के सन्दर्भ को क्रमशः गुणा व भाग की तैयारी के रूप में समझ के साथ कर सकें।	22, 23, 24, 25, 26 व 27	81–88, 91–92, 99–103, 95–98, 79–80
3	**मापन इकाइयाँ**	• 100 रुपये तक की राशि में खुल्ले व बंधे की समझ के साथ लेन–देन कर सकें।	24	89–90
4	**आँकड़ों का प्रबंधन एवं पैटर्न**	• एक ही संख्या के जोड़ने–घटाने से बने पैटर्न को खोज सकें और उसे समझ के साथ आगे बढ़ा सकें।	22	79–80

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना एवं उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों (यथा मोती माला) से संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
जोड़–घटाव के सरलतम परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। (दैनिक जीवन के हिसाब–किताब पर आधारित)	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों व चित्रों से गुणा की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक पहले व ठीक बाद के दिन का नाम बता पाना।	I																									
	II																									
एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि का लेन–देन एवं हिसाब–किताब कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे आगे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
संख्या रेखा पर सरल पैटर्न को खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
आकृति एवं स्थान (दोहरान)																										
वस्तु की आकृति देखकर भौतिक गुणों यथा खिसकने अथवा लुढ़कने का गुण बता पाना एवं उदाहरण दे पाना।	I																									
	II																									
अवलोकन अथवा ट्रेसिंग से त्रिआयामी आकृति के द्विआयामी पृष्ठों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
जाल (ग्राफ) की सहायता से सरल चित्र को बड़ा करके बना पाना।	I																									
	II																									
यथार्थ अथवा दृश्य चित्र में वस्तु की स्थिति को अन्य चीज़ों के सापेक्ष समझा पाना।	I																									
	II																									
सीधी और घुमावदार रेखाओं की सहायता से सरल चित्रों की रचना कर पाना।	I																									
	II																									
संख्या ज्ञान																										
1 से 100 तक संख्या नाम सुनकर और पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।	I																									
	II																									
संख्या नाम सुनकर एवं गिनकर 1 से 100 तक संख्यांक लिख पाना तथा संख्याओं की तुलना कर पाना।	I																									
	II																									
परिवेशीय घटनाओं में शून्य की स्थितियों को पहचान पाना।	I																									
	II																									
दहाई की अवधारणा की प्रारम्भिक समझ एवं विविध संख्या समूहों में गिनकर संख्या बनाने की तार्किक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
चीज़ों की संख्या का अनुमान 50 तक की संख्या के लिए कम अथवा ज्यादा है, के आधार पर लगा पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों (यथा मोती माला) से संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाएँ																										
ठोस चीज़ों से दहाई की संख्या में दहाई तक की संख्या का जोड़–घटाव कर पाना, जबकि हासिल अथवा उधार लेना ना हो।	I																									
	II																									

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	माह	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
दहाई की संख्याओं में बिना हासिल के जोड़ एवं बिना उधार के घटाव को इबारत सुनकर अथवा पढ़कर पहचान पाना और संक्रिया के हल को गणितीय रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
किसी संख्या को अलग–अलग तरीके से योजन–खण्ड़ों (संख्याओं के जोड़ों) के रूप में निरुपित कर पाना।	I																									
	II																									
संक्रियाओं (जोड़–घटाव) को हल करने हेतु संख्या रेखा की प्रारम्भिक समझ व अनुप्रयोग कर पाना।	I																									
	II																									
जोड़–घटाव के सरलतम परिवेशीय अनुप्रयोग कर पाना। (दैनिक जीवन के हिसाब–किताब पर आधारित)	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों व चित्रों से गुणा की प्रारम्भिक अवधारणात्मक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
मापन इकाइयाँ																										
परिवेशीय चीज़ों को देखकर मापन सम्बंधी तुलनात्मक अनुमान लगा पाना।	I																									
	II																									
मापन की अमानक इकाइयों की प्रारम्भिक और व्यावहारिक समझ बना पाना।	I																									
	II																									
सप्ताह के दिनों के नाम क्रम से बता पाना तथा ठीक पहले व ठीक बाद के दिन का नाम बता पाना।	I																									
	II																									
एक, पाँच, दस व बीस रुपये की मुद्रा से कुल 100 रुपये तक की राशि का लेन–देन एवं हिसाब–किताब कर पाना।	I																									
	II																									
आँकड़ों का प्रबन्धन एवं पैटर्न																										
दैनिक जीवन की सरलतम घटनाओं के आंकड़ों का संकलन कक्षा–1 के बढ़ते स्तर पर कर पाना।	I																									
	II																									
ठोस चीज़ों की सहायता से सरल संख्यात्मक पैटर्न खोज पाना, उसे आगे बढ़ा पाना तथा नये पैटर्न बना पाना।	I																									
	II																									
संख्या रेखा पर सरल पैटर्न को खोज पाना एवं आगे बढ़ा पाना।	I																									
	II																									

पूर्व कक्षा से सम्बन्धित बुनियादी दक्षताओं के सापेक्ष मासिक समेकित रचनात्मक आकलन

कक्षा – 1	विद्यार्थियों के रोल नम्बर →	माह																								
	*संख्या ज्ञान एवं **संक्रियाओं के सूचक																									
* 1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर और संख्या पढ़कर चीज़ों की मात्रा गिनकर बता पाना।		I																								
		II																								
1 से 50 तक संख्या नाम सुनकर एवं चीज़ों को गिनकर संख्या लिख पाना।		I																								
		II																								
1 से 20 तक संख्याओं में क्रम को ध्यान में रखकर छोटी–बड़ी, ठीक पहले–ठीक बाद की संख्या बता पाना।		I																								
		II																								
** दहाई की संख्या में इकाई की संख्या का बिना हासिल का जोड़–घटाव मौखिक हल कर पाना।		I																								
		II																								
20 तक की संख्याओं के लिए उक्त जोड़–घटाव को लिखित में हल कर पाना।		I																								
		II																								
एकल संक्रिया आधारित सरलतम इबारत को पढ़कर जोड़–घटाव की पहचान कर पाना एवं प्रश्न को हल कर पाना।		I																								
		II																								

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									

चतुर्थ टर्म तक समेकित रचनात्मक आकलन

शिक्षाक्रमणीय उद्देश्यों के सापेक्ष उच्च स्तरीय कौशलों के सूचक

अधिगम उद्देश्यों के सापेक्ष आकलन सूचक	26	27	28	29	30	31	32	33	34	35	36	37	38	39	40	41	42	43	44	45	46	47	48	49	50
गणितीय तर्कशीलता एवं अधिसंज्ञान																									
सवालों को हल करने के वैकल्पिक तरीकों को समझ पाना।																									
स्वयं प्रयास करके नए सवाल बना पाना।																									
सवालों को हल करने में अन्य साथियों की सहायता कर पाना। (ना केवल उत्तर बता पाना बल्कि उदाहरणों से समझा पाना)																									
सवालों में की गई त्रुटि के स्रोत (मूल कारण) को पकड़ पाना।																									
स्वयं के स्तर पर अपनी गलतियों की समीक्षा एवं सुधार कर पाना।																									
गणितीय संप्रेषण एवं अभिव्यक्ति																									
सवालों को स्वयं ने कैसे हल किया इसे समझा पाना।																									
अन्य द्वारा समझाए गए हलों/समाधानों को सुनकर समझ व लागू कर पाना।																									
गणित के प्रति रुझान																									
गणितीय समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आनन्द ले पाना।																									
नई समस्याओं/प्रश्नों को हल करने में आत्मविश्वास एवं इच्छा को प्रकट कर पाना।																									
किसी समस्या/प्रश्न को हल करने का सम्पूर्ण प्रयास जारी रख पाना एवं आसानी से बीच में ही नहीं छोड़ पाना।																									